

Transk.:

Folio 59 ↓ : 1 Kor 15,51-16,2

Beginn der Seite korrekt

# PIE

Stichometrie

|    |   |    |
|----|---|----|
| 01 | ΠΑΝΤΕΣ ΟΥ ΚΟΙΜΗΘΗΣΟΜΕΘΑ' ΟΥ ΠΑΝ-                  | 26 |
| 02 | ΤΕΣ ΔΕ ΑΛΛΑΓΗΣΟΜΕΘΑ' <sup>15,52</sup> ΕΝ ΑΤΟΜΩ    | 24 |
| 03 | ΕΝ ΡΟΠΗ ΟΦΘΑΛΜΟΥ ΕΝ ΤΗ ΕΣΧΑΤΗ                     | 24 |
| 04 | ΣΑΛΠΙΓΓΙ ΣΑΛΠΙΣΕΙ ΓΑΡ ΚΑΙ ΟΙ ΝΕΚΡΟΙ               | 30 |
| 05 | ΕΓΕΡΘΗΣΟΝΤΑΙ ΑΦΘΑΡΤΟΙ' ΚΑΙ ΗΜΕΙΣ                  | 28 |
| 06 | ΑΛΛΑΓΗΣΟΜΕΘΑ <sup>53</sup> ΔΕΙ ΓΑΡ ΤΟ ΦΘΑΡΤΟΝ     | 27 |
| 07 | ΤΟΥΤΟ ΕΝΔΥΣΑΣΘΑΙ ΑΦΘΑΡΣΙΑΝ ΚΑΙ                    | 27 |
| 08 | ΤΟ ΘΝΗΤΟΝ ΤΟΥΤΟ ΕΝΔΥΣΑΣΘΑΙ ΑΘΑΝΑΣΙΑ̅              | 31 |
| 09 | <sup>54</sup> ΟΤΑΝ ΔΕ ΤΟ ΘΝΗΤΟΝ ΤΟΥΤΟ ΕΝΔΥΣΗΤΑΙ   | 28 |
| 10 | ΑΘΑΝΑΣΙΑΝ ΤΟΤΕ ΓΕΝΗΣΕΤΑΙ Ο ΛΟΓΟΣ                  | 28 |
| 11 | Ο ΓΕΓΡΑΜΜΕΝΟΣ ΚΑΤΕΠΟΘΗ Ο ΘΑΝΑΤΟΣ                  | 28 |
| 12 | ΕΙΣ ΝΕΙΚΟΣ <sup>55</sup> ΠΟΥ ΣΟΥ ΘΑΝΑΤΕ ΤΟ ΝΕΙΚΟΣ | 29 |
| 13 | ΠΟΥ ΣΟΥ ΘΑΝΑΤΕ ΤΟ ΚΕΝΤΡΟΝ <sup>56</sup> ΤΟ ΔΕ     | 25 |
| 14 | ΚΕΝΤΡΟΝ ΤΟΥ ΘΑΝΑΤΟΥ Η ΑΜΑΡΤΙΑ                     | 25 |
| 15 | Η ΔΕ ΔΥΝΑΜΙΣ ΤΗΣ ΑΜΑΡΤΙΑΣ Ο ΝΟΜΟΣ'                | 27 |
| 16 | <sup>57</sup> ΤΩ ΔΕ ΘΩ̅ ΧΑΡΙΣ ΤΩ ΔΟΝΤΙ ΗΜΕΙΝ      | 23 |